**भारत सरकार**

**वित्त मंत्रालय**

**आर्थिक कार्य विभाग**

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 5758**

**(जिसका उत्तर सोमवार, 30 मार्च, 2026/09 चैत्र 1948 (शक) को दिया जाना है)**

**सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सीबीडीसी टोकन का समेकन**

**5758. श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:**
**श्री चव्हाण रवींद्र वसंतराव:**
**श्री पी पी चौधरी:**
**श्री दिनेशभाई मकवाना:**
**श्री जसवंत सिंह सुमनभाई भाभोर:**
**श्री मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल:**
**श्री दिलीप शइकीया:**
**श्री सुधीर गुप्ता:**
**श्री पी सी मोहन:**
**श्री तेजस्वी सूर्या:**
**श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**
**श्री विष्णु दयाल राम:**
**श्री मनोज तिवारी:**
**श्रीमती कमलेश जांगड़े:**
**श्री बिद्युत बरन महतो:**
**श्री प्रवीण पटेल:**
**श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:**
**श्रीमती शोभनाबेन महेंद्रसिंह बारैया**
**डॉ. संजय जायसवाल:**
**श्रीमती कमलजीत सहरावत:**
**श्री खगेन मुर्मु:**
**श्री शिवमंगल सिंह तोमर:**
**श्री अनूप प्रधान वाल्मीकि:**
**डॉ. के सुधाकर:**

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) प्रोग्रामेबल सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) टोकन को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में समेकित करने के माध्यम से यह किस प्रकार सुनिश्चित होगा कि राजसहायता का उपयोग केवल खाद्यान्न के लिए ही हो;

(ख) वर्ष 2026 में 2,000 रुपये तक के लेन-देन के लिए ऑफलाइन सीबीडीसी भुगतान के परीक्षण में कौन से विशिष्ट लक्ष्य प्राप्त किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार की गुजरात के दाहोद जैसे सीमित इंटरनेट संपर्क वाले दूर-दराज के क्षेत्र सहित सभी 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में वर्ष 2027 तक ई-रुपया पायलट प्रोजेक्ट का विस्तार करने की योजना है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मर्चेंट भुगतान की सुविधा के लिए सीबीडीसी वॉलेट और मौजूदा यूपीआई क्यूआर कोड के बीच अंतर-संचालनीयता लागू की गई है; और

(ङ) यदि हां, तो इसका छोटे व्यापारियों के बीच सामान्य लेन-देन पर क्या प्रभाव पड़ा है?

**उत्तर**

**वित्त राज्य मंत्री**
**(श्री पंकज चौधरी)**

(क) और (ग) सरकार ने गुजरात राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के इस्तेमाल की पायलट परियोजना शुरू की है, जिसमें अहमदाबाद शहर के साबरमती क्षेत्र के साथ-साथ सूरत, आनंद और वलसाड जिलों के शहरी क्षेत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत डीबीटी के लिए सीबीडीसी के उपयोग के लिए संघ राज्य क्षेत्रों चंडीगढ़ और पुडुचेरी में भी पायलट परियोजनाएं शुरू की गईं थी। गुजरात में पीडीएस पायलट कार्यान्वयन में, सीबीडीसी को स्वीकार्य खाद्यान्न वस्तुओं के लिए तैयार किया गया है, जिसका उपयोग केवल राज्य में सूचीबद्ध उचित मूल्य की दुकानों (एफपीएस) पर किया जा सकता है। इसके अलावा, दुकान स्तर के स्टॉक की स्थिति पर वस्तु-वार मिलान सुनिश्चित करने के लिए एफपीएस को इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली के साथ जोड़ा गया है। संघ राज्य क्षेत्रों चंडीगढ़ और पुडुचेरी में पायलट परियोजनाओं में, पीडीएस लाभार्थी इस उद्देश्य के लिए शामिल किराना व्यापारियों से स्वीकार्य खाद्यान्न खरीदने के लिए सीबीडीसी व्यय कर सकते हैं।

रिटेल सेगमेंट (ईर्-आर) के लिए ईर् पायलट, अर्थात व्यक्तियों के लिए, चार बैंकों और चार शहरों के साथ 1 दिसंबर, 2022 को शुरू किया गया था। वर्तमान में, 19 बैंक और दो गैर-बैंक

पायलट में सम्मिलित हैं और अतिरिक्त संस्थाओं को शामिल किया जा रहा है। देश भर में कोई भी व्यक्ति प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से ई₹ ऐप डाउनलोड करके और ऐप निर्देशों का पालन करके ई₹ का उपयोग शुरू कर सकता है।

(ख): नियंत्रित पायलट वातावरण के तहत चुनिंदा बैंक वॉलेट में ऑफ़लाइन कार्यक्षमता का एकीकरण असामीप्य और सामीप्य-आधारित ऑफ़लाइन कार्यक्षमताओं में ऑफ़लाइन सीबीडीसी लेनदेन के परीक्षण में सहायक हुआ। असामीप्य-आधारित समाधान मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी का लाभ उठा रहे हैं और इसे दो बैंकों, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और पंजाब नेशनल बैंक द्वारा लागू किया गया है, जबकि नियर फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) जैसी तकनीक का उपयोग करने वाले निकटता-आधारित समाधानों का वर्तमान में एचडीएफसी बैंक द्वारा परीक्षण किया जा रहा है, कुछ अन्य पायलट बैंक इसे विकसित कर रहे हैं।

(घ) जी हां। सीबीडीसी वॉलेट और मौजूदा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) क्यूआर कोड के बीच अंतर-संचालनीयता सीबीडीसी उपयोगकर्ताओं को मानक मौजूदा यूपीआई क्यूआर कोड को स्कैन करके भुगतान करने में मदद करती है। यह सीबीडीसी उपयोगकर्ताओं को देश में किसी भी यूपीआई क्यूआर को स्कैन करने में सहायता करता है, और भले ही व्यापारी सीबीडीसी पर शामिल नहीं है, उपयोगकर्ता का सीबीडीसी वॉलेट डेबिट हो जाएगा, और व्यापारी का यूपीआई-लिंक्ड बैंक खाता क्रेडिट हो जाएगा।

(ङ) यूपीआई क्यूआर कोड के साथ अंतर-संचालनीयता ने अतिरिक्त हार्डवेयर अथवा ऑनबोर्डिंग प्रक्रियाओं की आवश्यकता को समाप्त करके छोटे व्यापारियों के बीच सीबीडीसी को अपनाने/स्वीकार्यता में वृद्धि की है। चूंकि अधिकांश छोटे व्यापारी पहले से ही यूपीआई भुगतान स्वीकार करते हैं, इसलिए उसी क्यूआर कोड के माध्यम से सीबीडीसी को स्वीकार करने की क्षमता ने उपयोगकर्ताओं के बीच अपनाने में वृद्धि की है।

*****